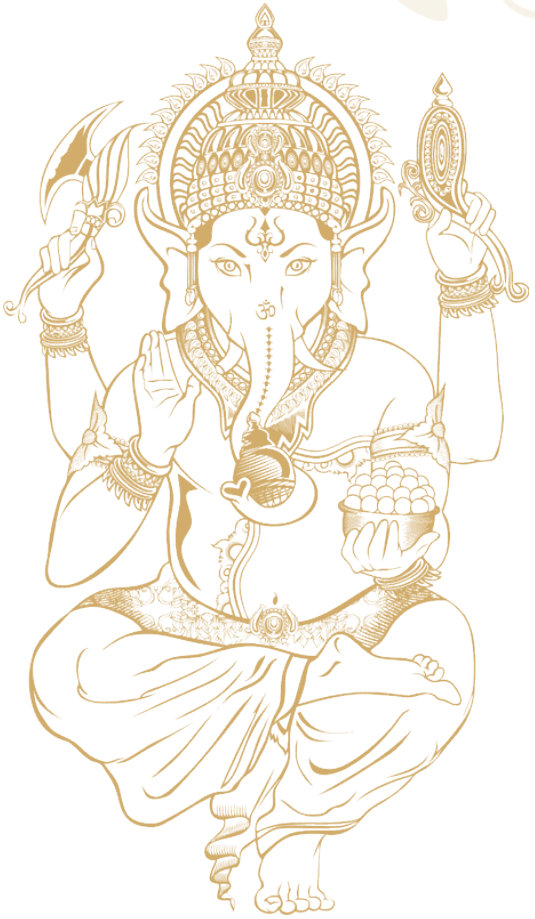

Mr.kamlesh

05 Sep 2025

07:10 AM

Dudu

Model: web-freekundliweb

Order No: 119091106

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/09/2025**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:10:02 घंटे**
इष्ट	02:29:03 घटी
स्थान	**Dudu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:42:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:40:58 घंटे
वेलान्तर	00:01:18 घंटे
साम्पातिक काल	05:38:39 घंटे
सूर्योदय	06:10:24 घंटे
सूर्यास्त	18:44:30 घंटे
दिनमान	12:34:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:33:12 सिंह
लग्न के अंश	01:00:39 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	01:00:39	322:50:14	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
सूर्य			सिंह	18:33:12	00:58:09	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	14:06:29	13:18:51	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
मंगल			कन्या	24:20:50	00:39:12	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	10:37:21	01:56:14	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु			मिथु	24:22:24	00:10:24	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	18:14:17	01:12:20	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	05:31:06	00:04:20	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:08:00	00:00:30	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व	अ	सिंह	24:08:00	00:00:30	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:14:47	00:00:03	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:02:28	00:01:33	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:29:22	00:00:59	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मिथु	00:53:12	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:01

लग्न-चलित

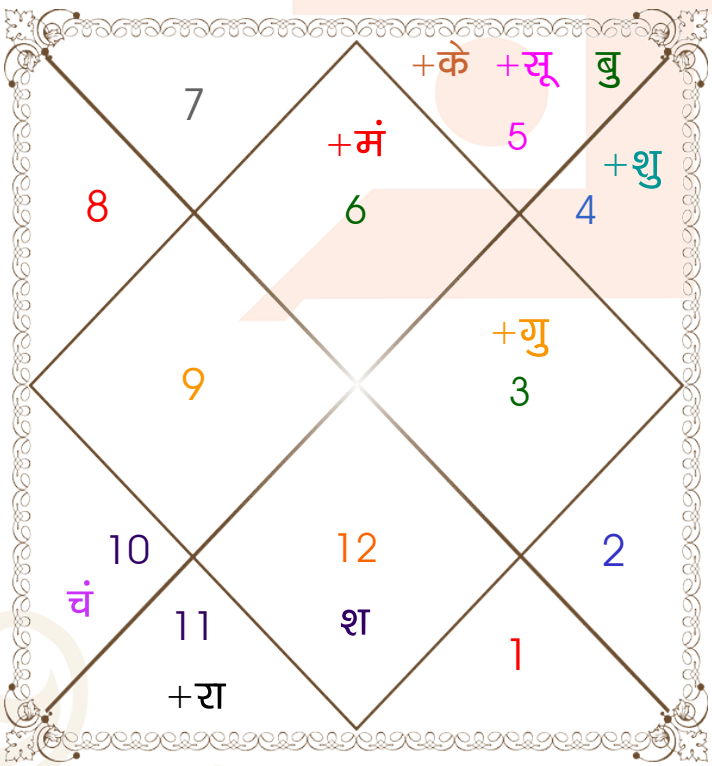

चन्द्र कुंडली

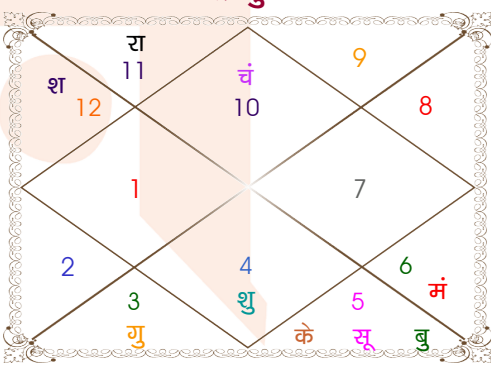

नवमांश कुंडली

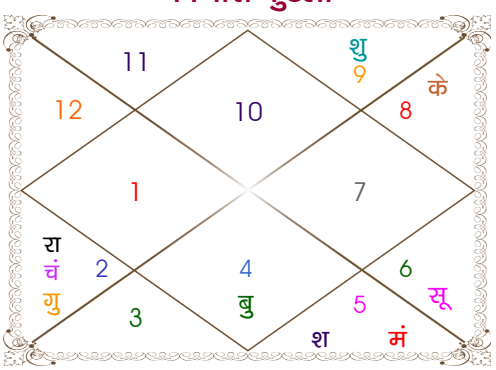

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 11 मास 0 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/09/2025		06/08/2032		07/08/2039		06/08/2057		06/08/2073	
06/08/2032		07/08/2039		06/08/2057		06/08/2073		06/08/2092	
	00/00/0000	मंगल	02/01/2033	राहु	19/04/2042	गुरु	24/09/2059	शनि	09/08/2076
	00/00/0000	राहु	21/01/2034	गुरु	11/09/2044	शनि	07/04/2062	बुध	19/04/2079
	05/09/2025	गुरु	28/12/2034	शनि	19/07/2047	बुध	13/07/2064	केतु	28/05/2080
गुरु	06/11/2026	शनि	05/02/2036	बुध	05/02/2050	केतु	19/06/2065	शुक्र	29/07/2083
शनि	06/06/2028	बुध	02/02/2037	केतु	23/02/2051	शुक्र	18/02/2068	सूर्य	10/07/2084
बुध	06/11/2029	केतु	01/07/2037	शुक्र	23/02/2054	सूर्य	06/12/2068	चंद्र	08/02/2086
केतु	07/06/2030	शुक्र	31/08/2038	सूर्य	18/01/2055	चंद्र	07/04/2070	मंगल	20/03/2087
शुक्र	05/02/2032	सूर्य	06/01/2039	चंद्र	19/07/2056	मंगल	14/03/2071	राहु	24/01/2090
सूर्य	06/08/2032	चंद्र	07/08/2039	मंगल	06/08/2057	राहु	06/08/2073	गुरु	06/08/2092

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
06/08/2092		07/08/2109		07/08/2116		07/08/2136		07/08/2142	
07/08/2109		07/08/2116		07/08/2136		07/08/2142		00/00/0000	
बुध	03/01/2095	केतु	03/01/2110	शुक्र	07/12/2119	सूर्य	25/11/2136	चंद्र	08/06/2143
केतु	31/12/2095	शुक्र	05/03/2111	सूर्य	07/12/2120	चंद्र	26/05/2137	मंगल	07/01/2144
शुक्र	31/10/2098	सूर्य	11/07/2111	चंद्र	07/08/2122	मंगल	01/10/2137	राहु	08/07/2145
सूर्य	06/09/2099	चंद्र	09/02/2112	मंगल	08/10/2123	राहु	26/08/2138	गुरु	06/09/2145
चंद्र	06/02/2101	मंगल	08/07/2112	राहु	07/10/2126	गुरु	14/06/2139		00/00/0000
मंगल	03/02/2102	राहु	26/07/2113	गुरु	07/06/2129	शनि	26/05/2140		00/00/0000
राहु	22/08/2104	गुरु	02/07/2114	शनि	07/08/2132	बुध	01/04/2141		00/00/0000
गुरु	28/11/2106	शनि	11/08/2115	बुध	08/06/2135	केतु	07/08/2141		00/00/0000
शनि	07/08/2109	बुध	07/08/2116	केतु	07/08/2136	शुक्र	07/08/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 10 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।